अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 कांग्रेस की मुश्किल, असंतुष्टों ने नहीं मानी हार ...
6 5वां टेस्ट खेलेंगे जसप्रीत बुमराह...
7 भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जीने की राह सीखें - मुख्यमंत्री डॉ. यादव...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-06 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 05 मार्च से 11 मार्च 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

मोदी का परिवार- लालू यादव के बाद कांग्रेस बोली- बीजेपी को किसान के परिवार की चिंता नहीं

भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को आरजेडी नेता लालू यादव की ओर से किए गए हमले का पलटवार करते हुए मोदी का परिवार कैंपेन शुरू कर दिया है।

इसके तहत बीजेपी के शीर्ष नेताओं के साथ-साथ कार्यकर्ताओं ने एक्स पर अपने नाम के साथ (मोदी का परिवार) जोड़ दिया है।

बीजेपी का ये कैंपेन जहां एक ओर साल 2019 में शुरू हुए मैं भी चौकीदार अभियान की याद दिला रहा है.

वहीं, इस बार विपक्षी दल भी ज़ोरदार ढंग से बीजेपी के इस कैंपेन का सामना करते दिख रहे हैं।

कलकत्ता हाई कोर्ट के जज अभिजीत गांगुली ने दिया इस्तीफ़ा, बीजेपी में हो सकते हैं शामिल

कलकत्ता हाई कोर्ट के जज अभिजीत गांगुली ने सोमवार को दोपहर ठीक 2.47 बजे अपने लंबे न्यायिक करियर का आख़िरी फ़ैसला सुनाया. इसके बाद वो अपने कक्ष से निकल गए.

उनका आख़िरी फ़ैसला ईस्ट मेदिनीपुर ज़िले के एक जज को बर्ख़ास्त करने करने से संबंधित था. उन्होंने मुख्य न्यायाधीश से इस मामले पर विचार कर ऐसा करने की सिफ़ारिश की.

यह भी दिलचस्प संयोग है कि उन्होंने जिस मेदिनीपुर ज़िले से संबंधित फ़ैसला सुनाया, उसी ज़िले से उनकी नई राजनीतिक पारी शुरू होने के कयास लगाए जा रहे हैं.

अपने विभिन्न फ़ैसलों के दौरान सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और उसकी सरकार के ख़िलाफ़ कड़ी टिप्पणियों के लिए अक्सर सुर्ख़ियों में रहने वाले न्यायमूर्ति गांगुली ने रविवार को ही ऐलान किया था कि सोमवार को हाई कोर्ट के जज के तौर पर उनका आख़िरी दिन होगा. मंगलवार को इस्तीफ़ा देने के बाद वे राजनीति में नई पारी शुरू करेंगे.

तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने से इनकार

न्यायमूर्ति गांगुली ने रविवार को एक सवाल पर कहा था कि वे किसी भी स्थिति में

तृणमूल कांग्रेस में शामिल नहीं होंगे.

शिवराज सिंह और सिंधिया को BJP ने दिया लोकसभा टिकट तो उमा भारती बोलीं, सत्ता का संतुलन...

एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने विदिशा से शिवराज सिंह चौहान और गुना लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को टिकट मिलने पर बधाई दी है.

आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बीजेपी ने 2 मार्च को पहली लिस्ट में 195 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है. मध्य प्रदेश की 29 में से 24 सीटों के लिए भी उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया है. बीजेपी ने विदिशा से पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान और गुना लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को चुनावी मैदान में उतारा है. अब इन दोनों नेताओं को एमपी की पूर्व सीएम उमा भारती ने बधाई दी है.

एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने पूर्व सीएम शिवराज और ज्योतिरादित्य सिंधिया को टिकट मिलने की बधाई दी है. उमा भारती ने अपने सोशल मीडिया एक्स अकाउंट पर ट्वीट कर कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया जी, शिवराज सिंह चौहान जी अपनी परंपरागत सीटों पर लौटे, दोनों को प्रचंड जीत की हार्दिक शुभकामनाएं. मध्य प्रदेश भाजपा, संगठन और सत्ता के संतुलन का अनुपम उदाहरण है.

1991 में पहली बार मिली थी विदिशा सीट

बता दें शिवराज सिंह चौहान पहली बार अटल बिहारी वाजपेयी के विदिशा सीट छोड़ने पर 10वीं लोकसभा के लिए (1991) में, 11वीं लोकसभा (1996) में शिवराज विदिशा से दोबारा सांसद चुने गए. 12वीं लोकसभा के लिए 1998 में विदिशा क्षेत्र से ही वह तीसरी बार, 1999 में 13वीं लोकसभा के लिए चौथी बार और 15वीं लोकसभा के लिए विदिशा से ही पांचवी बार सांसद चुने गए.

पहली बार बीजेपी के सिंबल पर लड़ेंगे चुनाव

ज्योतिरादित्य सिंधिया पहली बार बीजेपी के सिंबल पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं. इससे पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया साल 2019 में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े थे. वह गुना सीट पर बीजेपी उम्मीदवार कृष्णपाल सिंह यादव से हार गए थे. तब सिंधिया को 4,86,105 वोट मिले थे और वह लगभग 1.25 लाख वोटों के अंतर से मुकाबला हार गए थे. गुना लोकसभा सीट 1957 से ही सिंधिया परिवार का गढ़ मानी जाती है.

बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट के तार ISIS से जुड़े-7 राज्यों में 17 ठिकानों पर NIA की रेड; चेन्नई से 5 लोग हिरासत में लिए गए

र्नाटक के बेंगलुरु में मशहूर रामेश्वरम कैफे में शुक्रवार (1 मार्च) को हुए बम ब्लास्ट के तार आतंकी संगठन ISIS से जुड़ गए हैं। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने मंगलवार को मामले में 7 राज्यों में 17 ठिकानों पर छापे मारे हैं।NIA की टीम ने बेंगलुरु के आरटी नगर में टी नजीर के घर पर छापा मारा। टी नजीर के ISIS से जुड़े होने का शक है। उसने कथित तौर पर कैफे ब्लास्ट के लिए आतंकवादियों को उकसाया था। इससे पहले आरटी नगर और सुल्तानपालिया में ग्रेनेड की खरीद के मामले में रेड की गई थी।इन छापों में गोलियां और ग्रेनेड्स बरामद हुए हैं। जुनैद नाम का शख्स रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट का मास्टरमाइंड माना जा रहा है।

कौन हैं रेणुका मिश्रा? जानिए यूपी पुलिस भर्ती पेपर लीक केस में क्यों हुआ एक्शन

यूपी पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में देरी से एफआईआर होने पर उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड की अध?क्ष रेणुका मिश्रा को पद से हटा दिया गया है. वह 1990 बैच की ढ्ढक्कस् ऑफिसर हैं. आइए उनके बारे में जानते हैं.

त्तर प्रदेश पुलिस की अफसर आईपीएस रेणुका मिश्रा चर्चा में बनी हुई हैं. उन्हें यूपी पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा को पद से हटा दिया गया है. उन्हें 14 जून 2023 को महानिदेशक और अध?यक्ष उप्र पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड की जिम्?मेदारी सौंपी गई थीं. आइए रेणुका मिश्रा के बारे में जानते हैं.

रेणुका मिश्रा की गिनती तेजतर्रार पुलिस ऑफिसर में होती है. बचपन से पुलिस की नौकरी का सपना देखने वाली रेनुणा मिश्रा ने 1990 बैच की आईपीएस अफसर हैं. 20 अगस्त 1990 को पुलिस

विभाग में उनकी ज्वॉइनिंग का पहला दिन था.

साल 2021 में रेणुका मिश्रा का प्रमोशन हुआ था, जिसके बाद उन्हें डीजी का पद मिला था. इसी दौरान रेणुका मिश्रा को स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी. इसके बाद उप्र पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड की जिम्मेदारी दी गई.

इसलिए पद से हटाईं गईं रेणुका मिश्रा

दरअसल, 17 और 18 फरवरी 2024 को राज्य में उत्तर प्रदेश पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया था, जिसके बाद यह सामने आया कि परीक्षा से पहले ही पेपर लीक हो चुका है. इसके बाद पूरे राज्य में छात्रों ने जमकर हंगामा किया. बढ़ते विरोध को देखते हुए राज्य सरकार ने निर्देश दिया कि परीक्षा को निरस्त किया जाए और अगले 6 महीने में दोबारा परीक्षा करवाई जाए. इस मामले में चूक समय से एफएईआर दर्ज ना होने पर रेणुका मुश्रा को पद से हटाया गया है. जांच कमेटी में रिपोर्ट में यह सामने आया कि परीक्षा रद्द होने के बाद से भर्ती बोर्ड की इंटर्नल असेसमेंट कमेटी रिपोर्ट नहीं दे पाई थी और ना ही मामले में एफआईआर दर्ज कराई गई थी.

संपादकीय

देश में लोकसभा चुनाव की हलचल तेज हैं। बीजेपी 400 पार के टारगेट पर जुट गई है। कांग्रेस भी %भारत जोड़ो न्याय यात्रा% के जरिए जनता के बीच है। लेकिन कांग्रेस के आगे एक बाद एक नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनावों के दौरान हुई क्रॉसवोटिंग से उठे राजनीतिक तूफान को शांत करना कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। कांग्रेस आलाकमान के भेजे विशेष प्रतिनिधियों ने तो मेल-मिलाप कराने का प्रयास किया ही, स्पीकर ने बागी विधायकों के खिलाफ कार्रवाई भी कर दी। फिर भी कुछ है कि प्रदेश कांग्रेस में असंतोष की आग बुझ नहीं रही।

कांग्रेस की मुश्किल, असंतुष्टों ने नहीं मानी हार

झटका झेल गई सरकार – दिलचस्प है कि सिर्फ एक राज्यसभा सीट वाले इस राज्य में ही राज्यसभा चुनावों ने सबसे ज्यादा अफरातफरी फैलाई। कांग्रेस विधायकों की क्रॉसवोटिंग की खबर आने के बाद इसकी वजहों के रूप में गिनाए जाने वाले मुद्दों की कोई कमी नहीं रही। लेकिन सारे मुद्दे तब हल हुए मान लिए गए जब हाईकमान के विशेष प्रतिनिधि – डीके शिवकुमार और भूपिंदर सिंह हुड्डा – ने सभी पक्षों से बातचीत करके मामला सुलझाने का दावा किया। क्रॉसवोटिंग करने वाले छह कांग्रेसी विधायकों को विधानसभा सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित करने का मतलब यही था कि अब इनके वापस लौटने के कोई आसार नहीं रह गए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने यह भी कह दिया कि इन लोगों को हटा दें तब भी विधानसभा में उनकी सरकार का बहुमत कायम रहता है।

नहीं डाले हथियार– इससे साफ था कि राज्य की सुक्खू सरकार ने यह झटका बर्दाश्त कर लिया। माना गया कि बागी गुट के लिए अब एक तिहाई संख्या जुटाना मुश्किल होगा। चूंकि विधानसभा का तीन साल से ज्यादा का कार्यकाल बाकी है, इसलिए विधायक अपनी सदस्यता को खतरे में डालना पसंद नहीं करेंगे। इसके बाद स्वाभाविक ही यही अपेक्षा की जा रही थी कि अब यह मसला धीरे-धीरे शांत पड़ जाएगा। लेकिन बाद की घटनाएं बता रही हैं कि बागी गुट ने अभी तक हथियार नहीं डाले हैं।

परोक्ष धमकी – अयोग्य ठहराए जा चुके विधायकों के बयान छोड़ भी दिए जाएं तो मंत्रियों का व्यवहार भी सवाल उठा रहा है। शनिवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में भी दो मंत्री शामिल नहीं हुए। उनके अलावा दो मंत्री बैठक के बीच से निकल कर आ गए। हालांकि इसकी भी अलग-अलग व्यख्याएं की जा रही हैं, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है असंतुष्ट गुट अब भी अपने तेवर कड़े ही किए हुए है। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष प्रतिभा सिंह मीडिया में साफ कह रही हैं कि अभी तक उनका क्ष्छ्क से संपर्क नहीं है, लेकिन कल क्या होगा इस बारे में कुछ नहीं कह सकतीं।

लोकसभा चुनाव का एंगल – साफ है कि लोकसभा चुनाव का एंगल इस पूरे मामले को उलझाए हुए है। जहां क्ष्छ्क इस आग के और भड़कने में अपना फायदा देख रही है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व दोनों पक्षों को साथ बनाए रखने की भरसक कोशिश कर रहा है। उधर, असंतुष्ट गुट को भी जोर देकर अपनी मांगें मनवाने का यही उपयुक्त मौका लग रहा है। बहरहाल, इस दिलचस्प कशमकश का आखिर नतीजा क्या निकलता है, यह देखने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

गुजरात में राहुल की यात्रा की एंट्री से पहले मोढवाडिया का कांग्रेस से एग्जिट... बीजेपी में शामिल हुए 3 पूर्व विधायक

कांग्रेस को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं. पार्टी के सीनियर नेता भी पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं. गुजरात में कुछ दिनों पहले ही पूर्व केंद्रीय मंत्री और दिग्गज नेता नारण राठवा ने कांग्रेस का साथ छोड़ा था, वहीं अब अर्जुन मोढवाडिया ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया है.

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांगेस को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं. गुजरात में भी कांग्रेस को ऐसा ही एक झटका लगा है. राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की गुजरात में एंट्री से पहले पार्टी के स्टेट चीफ अबंरीश डेर और सीनियर नेता के साथ ही पूर्व विधायक अर्जुन मोढवाडिया क्ष्छ्क में शामिल हो गए हैं.

कांग्रेस के 3 पूर्व विधायक अर्जुन मोढवाडिया, अंबरीश डेर और मुलू भाई कंडोरिया भाजपा मे शामिल हो चुके हैं. तीनों नेता दोपहर 12 बजे प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की मौजूदगी में बीजेपी जॉइन करेंगे. बता दें कि अर्जुन मोढवाडिया और अंबरीश डेर ने कल ही कांग्रेस से इस्तीफा दिया था.

नारण राठवा ने हाल ही में छोड़ी है कांग्रेस

कांग्रेस छोड़ने से पहले अर्जुन मोढवाडिया ने पार्टी के उस फैसले की जमकर आलोचना की, जिसमें कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बहिष्कार का ऐलान किया था. दिलचस्प बात यह है कि तीनों पूर्व विधायकों ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के गुजरात में दाखिल होने के ठीक पहले बीजेपी जॉइन की है. इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री नारण राठवा अपने बेटे और बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ सत्ताधारी बीजेपी में शामिल हो गए थे.

BJP उम्मीदवार के तौर पर लड़ेंगे चुनाव

जानकारी के मुताबिक अब अर्जुन मोढवाडिया बीजेपी में शामिल हों गए हैं. आगामी लोकसभा चुनाव के साथ होने वाले विधानसभा उपचुनाव में वह बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव भी लड़ेंगे. मोढवाडिया पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुके हैं और 2 बार विधायक रह चुके हैं. तीसरी बार वह कांग्रेस के ही टिकट पर 2022 मे जीते थे.

जनवरी में भी एक विधायक ने दे दिया था इस्तीफा

बता दें कि इसी साल जनवरी में भी कांग्रेस के एक सीनियर विधायक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था. तब सीजे चावड़ा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. चावड़ा वीजापुर सीट से विधायक थे. उनसे पहले खंभात सीट से विधायक चिराग पटेल ने कांग्रेस छोड़ी थी. सीजे चावड़ा 2019 के लोकसभा चुनाव में अमित शाह के खिलाफ गांधीनगर सीट से चुनाव लड़ चुके हैं. सीजे चावड़ा को पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह बाघेला का करीबी भी माना जाता है. कांग्रेस ने 17 सीटें जीती थीं, लेकिन अब तीन विधायकों के इस्तीफे के बाद राज्य में पार्टी के 14 विधायक रह गए हैं.

महाराष्ट्र में भी कई नेता छोड़ चुके पार्टी

महाराष्ट्र में भी कांग्रेस को कई झटके लग चुके हैं. कारण, पार्टी के कई दिग्गज नेता इस्तीफा देकर बीजेपी का दाम थाम चुके हैं. इनमें प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बसवराज पाटिल और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण जैसे नाम शामिल हैं. इसके अलावा असम कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ और प्रमुख नेताओं में से एक राणा गोस्वामी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था. वहीं बंगाल में भी कांग्रेस को तगड़ा झटका लग चुका है. कारण, कभी बंगाल में दीदी के विरोध में सिर मुंडवाने वाले कौस्तव बागची ने लोकसभा चुनाव से ऐन पहले पार्टी से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को तीन पन्नों का इस्तीफा भेजा था. इसमें उन्होंने पार्टी पर सवाल उठाए थे और कहा कि पार्टी में उचित सम्मान नहीं मिला. उन्होंने टीएमसी के साथ गठबंधन करने का भी विरोध किया है.

इंदौर में लव जेहाद में हत्या

झाड़ियों में शव फेंका, चौकीदार ने देखा तो दीवार फांदकर भागे बदमाश,यूपी से लड़की से मिलने आया था

इंदौर के एरोड्रम इलाके में बांगड़दा रोड पर सोमवार देर रात एक युवक का शव मिला है। उसके शरीर पर चाकुओं से गोदने के निशान मिले हैं। पुलिस ने पहचान होने के बाद उसके दो साथियों को पकड़ा है। दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़ा है। हत्या में लव जेहाद का एंगल सामने आया है।

एरोड्रम पुलिस के मुताबिक घटना बांगड़दा रोड पर बाबा श्री गार्डन के पास की है। यहां 35 साल के जफर निवासी उतर प्रदेश का शव पड़े होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक तीन से चार बदमाशों ने मृतक पर हमला किया है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है। तीन लोगो को हिरासत में लिया गया है। प्रारभिंक पूछताछ में उन्होंने बताया कि मृतक उनके दोस्त को वीडियो के नाम पर धमका रहा था। वह उसे बुलाकर ले गए। वही मुख्य आरोपी ने इस दौरान उसे चाकू मार दिए। वह अपना मोबाइल नही दे रहा था। इसके चलते लगातार उस पर वार किये गए।

मोबाइल में वीडियो ढूढवाया तो टूटे बदमाश

पुलिस ने मामले में लगातार आरोपियों से पूछताछ कर रही थी। वह अलग अलग एगंल पर पुलिस को गुमराह कर रहे थे। मंगलवार को आरोपियों से अलग अलग पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि जफर की दोस्ती एक आरोपी की दोस्त से सोशल मीडिया के माध्यम से हुई। वह लगातार वाट्सएप ओर सोशल मीडिया से संपर्क में था। सोमवार को वह वह युवती से मिलने आया। यह बात युवती के दोस्त को पता चली। इसके बाद आरोपी की घेराबंदी की गई ओर उसे मौत के घाट उतार दिया गया। फिलहाल हत्याकांड में अधिकारिक पुष्टी होना बाकि है।

हाई लिंक सिटी के चौकीदार ने दी पुलिस को सूचना

हत्या की सूचना पर डीसीपी आदित्य मिश्रा, एडिशनल डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे। शव को झाड़ियों से निकलवाकर अस्पताल पहुंचाया। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक हाई लिंक सिटी के चौकीदार ने मामले की सूचना पुलिस को दी थी।

चौकीदार ने बताया कि एक बाइक सवार उसके पास पहुंचा तो उसने बताया था कि एक युवक को कुछ ही दूरी पर कुछ युवक चाकू और लात-घूंसों से मार रहे हैं। जब दोनों वे युवक को बचाने पहुंचे तो घायल युवक को छोड़कर आरोपी दीवार फांदकर भागने लगे। तभी घायल युवक को देखकर पुलिस को सूचना की। लेकिन पुलिस के आने तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आठ बच्चों की मां को पति ने चाकू मारा-महिला बोली पति के कई महिलाओं से संबंध

इंदौर के बाणगंगा थाने में 8 बच्चों के पिता ने पहली पत्नी का चाकू से गला रेंत दिया। महिला का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या के प्रयास के मामले में केस दर्ज किया है। महिला के मुताबिक पति का दूसरी महिला से संबंध है। वह उसी के साथ रहते हैं। अब मेरे साथ रहने का दबाव बना रहे हैं। मैंने मना किया तो मुझे चाकू मार दिया।

बाणगंगा पुलिस के मुताबिक शिवनगर में रहने वाली रेखा परिहार (35) को गले पर चाकू मारने के मामले में पुलिस ने उसके पति राजेश परिहार के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। पीड़िता रेखा परिहार ने बताया कि उसकी शादी को 15 साल से ज्यादा का समय हो गया।

पीड़िता सांवेर रोड इंडस्ट्रियल एरिया की फैक्ट्री में काम करती है। उसका पति दूसरी महिलाओं के संपर्क में था। कुछ दिन पहले वह दूसरी महिला के साथ रहने चला गया, इसलिए वह अलग हो गई। रेखा और राजेश के आठ बच्चे हैं। इनमें से दो बड़ी बेटियों की शादी हो गई है।

रेखा ने बताया कि सोमवार को वह अपनी दो बेटियों के साथ हाट बाजार में जा रही थी। तभी भारत तोल कांटे के पास पति राजेश मिले। उन्होंने कहा कि घर चलो मैं तुम्हारे साथ रहना चाहता हूं। लेकिन मैंने उसके साथ रहने से मना कर दिया। इसके बाद राजेश बेटियों के सामने गालियां देने लगे। और चाकू से मेरे गले पर वार कर दिया।मैं घायल हालत में सड़क पर गिर गई। यह देखकर दोनों बेटियां घबरा गई और शोर मचाने लगी। लोगों को इकट्?ठा होते देख राजेश वहां से भाग गया। बाद में रेखा को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बयान के बाद आरोपी पति राजेश पर कार्रवाई की है।

इंदौर में मां की हत्या करने वाला दोस्त पकड़ाया

हाथ बांधकर रस्सी से गला घोंटा, पास रखे पैसे लेकर भाग गया, रात में ही पकड़ाया

इंदौर के चंदन नगर इलाके में सोमवार शाम एक बुजुर्ग महिला का शव उसके घर के कमरे में पड़ा मिला है। सूचना के बाद पुलिस और एफएसएल अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक महिला के हाथ बांधकर गला घोंटा गया है। हत्या उसके बेटे के दोस्त ने ही की है। उसे सोमवार रात में ही हिरासत में ले लिया है। उसने हत्या करना कबूल की है। अफसर जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा करेंगे।

चंदन नगर पुलिस के मुताबिक मृतक महिला का नाम पुष्पाबाई (60) पति नंदलाल छारोड़िया है। वह चांदमारी के भट्?टे में रहती थी।

पति ने यह बताई कहानी

पुलिस के मुताबिक महिला के पति ने बताया कि वह शाम 4 बजे सब्जी लेने निकला था। करीब दो घंटे बाद शाम 6 बजे घर पहुंचा। पत्नी जमीन पर पड़ी मिली। उसके हाथ बंधे हुए थे। गले में भी रस्सी बंधी थी। घबराकर मैंने उसे चिल्लाकर आवाज लगाई। पर उसके शरीर में कोई हलचल नहीं हुई। फिर मैंने उसके दोनों हाथ और गले की रस्सी खोली और पलंग पर लेटा दिया। इस दौरान आसपास के लोग इकट्ठा हो गए।

बेटे को भी पड़ोसियों ने बुलाया

पति की रोने की आवाज सुनकर जब पड़ोसियों ने बेटे श्याम को जानकारी दी। पड़ोसी महिला को नजदीक के निजी अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में पड़ोसियों ने ही पुलिस को सूचना दी।

मौके पर नही मिले संघर्ष के निशान

सूचना के बाद रात में एडिशनल डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जानकारी में घटनास्थल पर संघर्ष जैसे निशान नहीं मिले हैं। महिला का एक बेटा व दो बेटियां हैं। बेटा श्याम लोडिंग वाहन चलाता है। रात को अफसरों ने पति नंदलाल से भी पारिवारिक विवाद को लेकर अलग से पूछताछ की है।

आने-जाने वालों के सीसीटीवी देखे तो पकड़ाया हत्यारा

पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मृतक महिला के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज चैक किए। इसमें महिला के बेटे श्याम के दोस्त मोहन का नाम सामने आया। उसका महिला के घर आना-जाना था। पुलिस ने सोमवार रात को ही उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में ही वह टूट गया। उसने बताया कि महिला के पास रुपए थे, वह छीनने के लिए ही उसने महिला की हत्या कर दी। इसके बाद रुपए लेकर भाग गया।

पेट्रोल पंप से 5लाख रुपए लूटने वाले पकड़ाए-तीन लोगों ने मिलकर बनाया प्लान, क्राइम ब्रांच ने ऐसे पकड़ा

इंदौर में पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डलाने आए स्कूटर की डिक्की से 5 लाख रुपए की लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। क्राइम ब्रांच ने तीन आरोपियों को पकड़ा है। इनमें से एक बदमाश ने रुपए के लेनदेन की बात सुन ली थी। तब उसने दूसरे दो साथियों के साथ मिलकर लूट का प्लान बनाया।

घटना की जांच कर रही क्राइम ब्रांच को सीसीटीवी फुटेज हाथ लगे हैं। इसमें सुनील शर्मा लिंबोदी की मोपेड की डिक्की से रुपए लेकर भागते बाइक सवार दो बदमाश दिखाई दे रहे हैं। पुलिस के मुताबिक ये रुपए दीपक भामी निवासी चापड़ा से लेनदेन के थे।

सहजयोग जीवन के सभी अनुभवों को सुंदर काव्य संग्रह में परिवर्तित करता है

हमारा जीवन अनेक प्रिय व अप्रिय घटनाओं का तानाबाना होता है। प्रत्येक परिस्थिति को सहज ही सहन करने की शक्ति हमें परमात्मा में विश्वास से प्राप्त होती है। परमात्मा के प्रतिनिधि के रूप में आत्मा हमारे हृदय में निवास करती है तथा प्रत्येक स्थिति में हमें प्रेरित करती है सही का चयन करने में। आत्म प्रेरणा का अनुसरण हमारे जीवन को आनंदमय तथा सहज बना देता है। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने जीवन में सहजयोग के महत्व का वर्णन इस प्रकार किया है कि कविताएं चांदनी की तरह हैं, और जब यह चांदनी किसी वस्तु पर छलकती है, तो यह उसके सौंदर्य को और बढ़ा देती है, उसे और करिश्माई बना देती है। जिस तरह से चांदनी सारी फैली हुई विषमता को छिपा लेती है, वैसे ही इस काव्य की भाषा इतनी सुन्दर होती है कि यह भी सारी विकारों को ढक लेती है। यह एक ऐसा वातावरण बनाती है जो अत्यंत ध्यानगम्य होता है। यह सहजयोग भी वही चीज़ है, यह हमारा जीवन बनाता है, गद्य बनाता है, सभी अनुभव और घटनाएँ जो घटित होती हैं, उनका एक काव्य संग्रह बनाता है। (2 मई 1985)

सहजयोग में कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर अपने जीवन को आनंदमय बनाने का अनुभव अवश्य प्रदान करें। नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नं. 18002700800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

महाशिवरात्रि मुहूर्त, इस समय से लग जाएगी चतुर्दशी तिथि, जानें पूजा का शुभ समय

महाशिवरात्रि का पर्व चतुर्दशी तिथि के दिन रखा जाता है। इस बार महाशिवरात्रि 8 मार्च शुक्रवार के दिन रखा जाएगा। इस दिन त्रयोदशी तिथि भी है। आइए जानते हैं महाशिवरात्रि पूजा मुहूर्त। जानें कब होगा चतुर्दशी तिथि का आरंभ।

महाशिवरात्रि फाल्गुन मास की चतुर्दशी तिथि के दिन रखा जाता है। इस बार महाशिवरात्रि का व्रत 8 मार्च शुक्रवार के दिन रखा जाएगा। भगवान शिव के भक्तों के लिए यह दिन बहुत ही खास होता है। दरअसल, इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस बार महाशिवरात्रि पर शिव योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और चतुर्ग्रही योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस दिन कई दुर्लभ संयोग इस बार बन रहे हैं। आइए जानते हैं भगवान शिव की उपासना के लिए शुभ मुहूर्त कब से कब तक रहेगा।

महाशिवरात्रि पूजा मुहूर्त

इस त्रयोदशी तिथि सूर्योदय से लेकर रात में 9 बजकर 58 मिनट तक रहेगी। इसके बाद चतुर्दशी तिथि का आरंभ होगा। जबकि चतुर्दशी तिथि का समापन 9 तारीख को शाम 6 बजकर 16 मिनट पर होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जिस रात मध्यकाल में त्रयोदशी उपरांत चतुर्दशी तिथि लगती है। उस दिन महाशिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। इस दिन नियम अनुसार, 9 तारीख को पूरे दिन चतुर्दशी तिथि होने के बाद भी 8 तारीख को मध्यकाल में चतुर्दशी तिथि होने से 8 मार्च को ही महाशिवरात्रि का व्रत रखा जाएगा।

महाशिवरात्रि पर 8 मार्च को सुबह 10 बजकर 41 मिनट तक श्रवण नक्षत्र रहेगा। इसके उपरांत धनिष्ठा नक्षत्र का प्रभाव रहेगा। ऐसे में संध्याकालिन पूजा उनके लिए चतुर्दशी तिथि में रात 9 बजकर 58 मिनट से शिवजी का पूजन अभिषेक करना उत्तम रहेगा। दिन के समय में यदि सुबह 6 बजकर 38 मिनट से लेकर 11 बजकर 3 मिनट तक का समय शुभ रहेगा। इसके बाद दोपहर में 12 बजकर 32 मिनट से 2 बजे तक का समय पूजा के लिए अच्छा है। प्रदोष काल में 4 बजकर 57 मिनट से 6 बजकर 25 मिनट तक का समय पूजा के लिए उत्तम रहेगा।

महाशिवरात्रि का महत्व

महाशिवरात्रि को बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार में से एक माना जाता है। इसलिए इस दिन भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए खास पूजा अर्चना की जाती है। वैसे तो सभी के लिए महाशिवरात्रि का व्रत शुभ माना जाता है लेकिन, महिलाओं के लिए यह व्रत उत्तम फलदायी है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से जिनका विवाह नहीं हो रहा होता है उनका विवाह जल्दी हो जाता है। वहीं, महाशिवरात्रि की रात भर जागरण करने और चारों प्रहर की पूजा करने से शिवजी अपने भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

महाशिवरात्रि पर भक्तों को मिलेगा शिवकृपा का तिगुना लाभ, मिलेगा एक साथ 3 व्रत का पुण्य

8 अक्टूबर को महाशिवरात्रि के साथ कई प्रमुख व्रत भी इस दिन पड़ रहे हैं, जिससे आप एक साथ कई व्रत का पुण्य फल भी प्राप्त कर पाएंगे। महाशिवरात्रि पर इस बार कई दुर्लभ योग भी बन रहे हैं, जिसका फायदा भी आपको मिलेगा और कुंडली में ग्रह नक्षत्र की स्थिति मजबूत होगी। आइए जानते हैं शुक्रवार को कौन कौन से व्रत का लाभ ले पाएंगे...

महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह पर्व हर वर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है और इस बार यह शुभ तिथि 8 मार्च दिन शुक्रवार को है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि पर विधि विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना करने से जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाशिवरात्रि पर इस बार एक या दो नहीं बल्कि तीन तीन व्रत का लाभ मिलने जा रहा है। दरअसल इस दिन आप महाशिवरात्रि के साथ तीन और व्रत का पुण्य लाभ प्राप्त कर पाएंगे। आइए जानते हैं महाशिवरात्रि पर कौन कौन से व्रत का लाभ मिलने जा रहा है...

महाशिवरात्रि के दिन इस बार आप प्रदोष तिथि का व्रत भी कर पाएंगे। दरअसल प्रदोष तिथि का व्रत त्रयोदशी में किया जाता है और इस बार यह तिथि 7 अक्टूबर को रात 1 बजकर 20 मिनट से आरंभ हो रही है और 8 अक्टूबर को 9 बजकर 58 मिनट तक रहेगी। इस वजह से प्रदोष तिथि का व्रत भी 8 अक्टूबर को ही किया जाएगा। चूंकि प्रदोष तिथि शुक्रवार के दिन पड़ रही है इस वजह से इस व्रत को शुक्र प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा। इस बार प्रदोष तिथि और महाशिवरात्रि की पूजा निशीथ काल में ही की जाएगा।

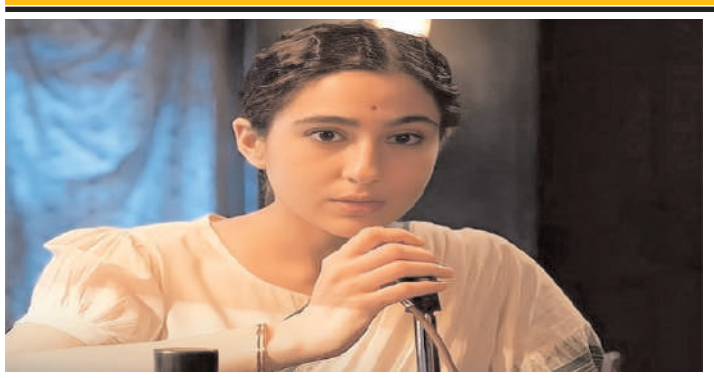

ऐ वतन मेरे वतन ट्रेलर देश की आजादी के लिए लड़तीं सारा अली खान, इस दिन OTT पर लगाएंगी करो या मरो की ललकार

सारा अली खान को पिछली बार विक्की कौशल के साथ जरा हटके जरा बचके में देखा गया था। अब उनकी फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के लिए तैयार है, जिसका नाम है ऐ वतन मेरे वतन। ये मूवी OTT प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर इसी महीने स्ट्रीम होगी। जानिए कब।

सारा अली खान की फिल्म ऐ वतन मेरे वतन का ट्रेलर 4 मार्च को रिलीज कर दिया गया है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित ये मूवी 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन पर आधारित है, जो भारत की आजादी की लड़ाई के बहुत खास और अलग पहलू की कहानी दिखाती है। इस मूवी को आप इसी महीने OTT प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं, जानिए कब।

देशभक्ति की भावना से भरी इस थ्रिलर-ड्रामा मूवी Ae Watan Mere Watan को करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने प्रोड्यूस किया है। कन्नन अय्यर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की कहानी अय्यर और दरब फारूकी ने लिखी है। इसमें सारा अली खान लीड रोल में हैं, जबकि इमरान हाशमी के स्पेशल गेस्ट अपीयरेंस के साथ सचिन खेडेकर, अभय वर्मा, स्पर्श श्रीवास्तव, एलेक्स ओ नील और आनंद तिवारी ने अहम किरदार निभाए हैं।

कानपुर के वैभव गुप्ता के सिर सजा इंडियन आइडल 14 का ताज, ट्रॉफी के साथ मिले ये ईनाम

रविवार रात लोकप्रिय टीवी शो 'इंडियन आइडल 14' का ग्रैंड फिनाले हुआ। इसमें विजेता का ताज कानुपर के वैभव गुप्ता के सिर सजा है। कानपुर के वैभव गुप्ता को इंडियन आइडल 14 की चमचमाती ट्रॉफी मिली है। इसके साथ उन्हें 25 लाख रुपये का चेक और एक 'हॉट एंड टेकी' ब्रेजा कार ईनाम में दी गई है। आद्या मिश्रा, अनन्या पाल, पीयूष पंवार, सुभादीप दास, अंजना पद्मनाभन के साथ वैभव भी टॉप पांच प्रतियोगियों शामिल थे और वह शो के विजेता बनकर उभरे हैं।

ये बने उप विजेता

शो में शुभदीप और पीयूष को प्रथम और द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया। उन्हें ट्रॉफी के साथ पांच लाख रुपये का चेक दिया गया है। वहीं, अनन्या इस शो की तीसरी रनर-अप रहीं। उन्हें ट्रॉफी के अलावा तीन लाख रुपये का ईनाम मिला।

सोनू निगम बने विशेष जज

सोनू निगम इस ग्रैंड फिनाले के विशेष जज रहे। उनके अलावा रियलिटी शो 'सुपरस्टार सिंगर' के आगामी सीजन में 'सुपर जज' के रूप में नजर आने वाली नेहा कक्कड़ भी फिनाले एपिसोड में शामिल हुईं। 'प्यारेलाल सिम्फनी' चैलेंज के लिए वैभव ने 1991 के एक्शन क्राइम ड्रामा 'हम' से 'जुम्मा चुम्मा' गाया, जिसमें अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, गोविंदा, किमी काटकर और अनुपम खेर ने अभिनय किया था। फिनाले के लिए वैभव ने आखिरी गाना सोनू निगम के साथ 'जोरू का गुलाम' गीत गाया।

सलमान-रणवीर के लिए गाने की जताई ख्वाहिश

विनर का एलान सोनू निगम ने किया। शो जीतने के बाद वैभव ने मीडिया से बातें करते हुए कहा, %मैं बेहद खुश हूं और खुशी की इस भावना को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। मैं अब फिल्मों के लिए गाना चाहता हूं। सलमान और रणवीर मेरे पसंदीदा कलाकार है। मेरा सपना है कि मैं उनके लिए प्लेबैक सिंगिंग करूं।

5वां टेस्ट खेलेंगे जसप्रीत बुमराह

धर्मशाला में 3 पेसर उतार सकता है भारत; पाटीदार या पड्डीकल में कोई एक ही खेलेगा

इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टेस्ट में टीम इंडिया प्लेइंग-11 में 2 बदलाव के साथ उतर सकती है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह स्क्वॉड का हिस्सा हैं, इसलिए उनका खेलना भी कन्फर्म ही है। दूसरी ओर आउट ऑफ फॉर्म रजत पाटीदार की जगह देवदत्त पड्डीकल डेब्यू कर सकते हैं।

धर्मशाला के स्टेडियम में मुकाबला 7 मार्च से शुरू होगा। यहां स्पिन के मुकाबले पेस को ज्यादा मदद मिलती है, इसलिए टीम इंडिया 3 पेसर्स के साथ खेलने उतर सकती है। आगे जानते हैं 5वें टेस्ट के लिए भारत की पॉसिबल प्लेइंग-11 क्या होगी।

धर्मशाला में 62त्न विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए

धर्मशाला के स्टेडियम में तेज गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलती है। यहां अब तक हुए 20 इंटरनेशनल मैचों में 61.69त्न विकेट तेज गेंदबाजों को मिले। स्पिनर्स को 248 में से 95 विकेट ही मिले, यानी दोनों ही टीमें एक्स्ट्रा पेसर को मैदान में उतारने के बारे में सोच सकती है। टीम इंडिया के पास पेस बॉलिंग ऑप्शन में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और मुकेश कुमार हैं। आकाश और सिराज ने पिछला टेस्ट खेला था, वहीं बुमराह सीरीज के टॉप विकेट टेकर हैं। आकाश दीप ने अच्छा किया, इसलिए उन्हें बुमराह और सिराज के साथ मौका मिल सकता है।

बाहर हो सकते हैं कुलदीप, बुमराह के लिए जगह खाली करेंगे

तेज गेंदबाजों के लिए मददगार पिच को देखते हुए टीम इंडिया 3 पेसर्स को प्लेइंग-11 में मौका दे सकती है। लेकिन इसके लिए पिछले मैच की प्लेइंग-11 में शामिल 3 में से किसी एक स्पिनर को बाहर बैठना पड़ सकता है।

रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और कुलदीप यादव पिछला मैच खेले थे। अश्विन और जडेजा अपनी बॉलिंग से ही किसी भी वर्ल्ड क्लास टीम की प्लेइंग-11 में शामिल हो सकते हैं। इनकी बैटिंग भी बहुत शानदार है। दूसरी ओर कुलदीप ने पूरी सीरीज में इंग्लिश बैटर्स को परेशान किया। उनकी बैटिंग भी अच्छी रही, लेकिन अश्विन और जडेजा का अनुभव ज्यादा है इसलिए कुलदीप को ही बुमराह के लिए जगह खाली करनी पड़ सकती है।

बुमराह ने सीरीज के 3 मैचों में 17 विकेट लिए हैं। इसके बावजूद अगर कुलदीप को प्लेइंग-11 में मौका मिला तो फिर आकाश दीप को बाहर बैठाया जाएगा। ऐसे में अगर पहले गेंदबाजी आई तो टीम इंडिया के लिए 3 स्पिनर्स को प्लेइंग-11 में रखना रिस्की ऑप्शन हो जाएगा।

पाटीदार लगातार फ्लॉप रहे, पड्डिकल का डेब्यू संभव

टीम इंडिया दूसरा बदलाव बल्लेबाजी में कर सकती है। दूसरे टेस्ट में डेब्यू करने वाले रजत पाटीदार को लगातार 3 मुकाबलों में खेलने का मौका मिला। लेकिन वह एक फिफ्टी भी नहीं लगा सके। 6 पारियों में उनके नाम 63 रन रहे। ऐसे में उन्हें आखिरी मैच में बेंच पर बैठाया जा सकता है।

दूसरी ओर लेफ्ट हैंड बैटर देवदत्त पड्डीकल स्क्वॉड में मौजूद हैं। वह रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में 4 ही मुकाबलों में 92.66 की औसत से 556 रन बना चुके हैं। उनके नाम 3 सेंचुरी रहीं, जिनमें 193 रन बेस्ट स्कोर रहा। पड्डीकल तीसरे टेस्ट से ही स्क्वॉड का हिस्सा हैं, ऐसे में उन्हें अब डेब्यू कराया जा सकता है।

हालांकि पाटीदार को इतने ज्यादा मौके इसलिए मिल रहे हैं क्योंकि मैनेजमेंट को उनकी स्किल पर भरोसा है। अगर कोच राहुल द्रविड़ उन पर अपना भरोसा जताते हैं तो आखिरी मैच में भी वह प्लेइंग-11 का हिस्सा बन सकते हैं।

सीरीज में 3-1 से आगे भारत

टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट की सीरीज में 3-1 से आगे है। पहला मुकाबला इंग्लैंड ने 28 रन से जीता था। इसके बाद भारत ने दूसरा मैच 106 रन, तीसरा मैच 434 रन और चौथा टेस्ट 5 विकेट के अंतर से जीत लिया। पांचवां मुकाबला 7 मार्च से धर्मशाला में खेला जाएगा।

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जीने की राह सीखें - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सामाजिक बंधुओ और उत्तरप्रदेश के आमजनों को मध्यप्रदेश आने के लिए किया आमंत्रित

लखनऊ के गुदौरा मैदान में यादव महाकुंभ में शामिल हुए

भगवान कृष्ण के जीवन से हम सभी को जीवन जीने की राह सीखनी चाहिए। जन्म के पूर्व माता-पिता का जेल में होना, भाई-बहनों की हत्या होना, जन्म के बाद ही उफनती जमुना नदी पार करना, माँ के आंचल से दूर हो जाना जैसी विषम परिस्थितियों में भी भगवान श्री कृष्ण ने विश्व के सामने पूरे सम्मान और गरिमा के साथ जीवन जीने का उदाहरण रखा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लखनऊ के गुदौरा मैदान में यादव महाकुंभ को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति में भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण ने मर्यादा के अंदर जीवन जीना सिखाया है। हम सभी को उनके द्वारा स्थापित उच्च आदर्शों का अपने जीवन में पालन करना चाहिए।

भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में आई हर मुसीबत और परीक्षा का निडर होकर सामना किया और सफल हुए। भगवान ने अपने जीवन काल में लगातार संघर्ष करते हुए समाज को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है। भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद् भागवत गीता के माध्यम से पूरे विश्व में धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने यादव समाज के सभी बंधुओ और उत्तर प्रदेश के आमजनों को मध्यप्रदेश आने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थित भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण से संबंधित सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जैन, रुक्मिणी हरण स्थल अमझेरा, भगवान श्रीकृष्ण की रजोभूमि बदनावर और भगवान श्रीकृष्ण एवं सुदामा का मैत्री स्थल स्वर्णगिरी पर्वत के साथ भगवान श्रीराम की पवित्र नगरी चित्रकूट को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने शाल और श्रीकृष्ण जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। यादव समाज की ओर से प्रतिनिधियों ने बड़ी पुष्प माला पहनाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यादव महाकुंभ में देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए सामाजिक बंधुओ का हृदय से आभार व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक, राजेश्वरानंद जी महाराज, यादव महासभा के उपाध्यक्ष और प्रदेश के समाज के अध्यक्ष श्री जगदीश यादव, श्री महेंद्र सिंह यादव, श्री कृष्ण जन्मभूमि के मुख्य पक्षकार श्री प्रशांत राव और मनीष यादव सहित बड़ी संख्या में यादव समाज के प्रतिनिधि, सदस्य और आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स को असामयिक वर्षा और ओलावृष्टि के लिये सर्वे तत्काल करने के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के कुछ जिलों में आज हुई असामयिक वर्षा एवं ओलावृष्टि को लेकर संबंधित जिला कलेक्टरों को तत्काल सर्वे के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि हाल ही में कुछ जिलों में हुई ओलावृष्टि के दृष्टिगत सर्वेक्षण सहित प्रभावित किसानों को राहत के लिए आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने अतिवर्षा तथा ओलावृष्टि से आंशिक नुकसान की जानकारी दी है। प्रदेश में कुछ स्थानों से अतिवर्षा से फसलों के कुछ नुकसान के समाचार प्राप्त हुए हैं।

संत विनोबा दर्शन पुस्तक का विमोचन किया

संत विनोबा भावे का जीवन आज भी समाज का मार्गदर्शन करता है - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

प मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि संत विनोबा भावे का जीवन आज भी समाज का मार्गदर्शन करता है। इंदौर की पत्रकारिता के पर्याय श्री प्रभाष जोशी ने साठ के दशक में संत विनोबा की पद यात्रा के दौरान इन्दौर प्रवास पर जो रिपोर्टिंग की थी, वह एक दस्तावेज़ है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने इन संस्मरणों पर आधारित पुस्तक विनोबा दर्शन- विनोबा के साथ 39 दिन का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि इन्दौर सभी शहरों को यह प्रेरणा देता है कि परोपकार के किसी भी कार्य पर एक आह्वान भर से सभी इंदौरवासी एकजुट हो जाते हैं। इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री अरविंद तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार श्री राम बहादुर राय स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, बुद्धिजीवी और आमजन उपस्थित थे।

आधुनिक समाज में बच्चो के अधिकार और सकारात्मक पालन पोषण

बच्चे हमारे समाज के सबसे महत्वपूर्ण सदस्य हैं, और इस प्रकार, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि उनके अधिकारों की रक्षा की जाए और उन्हें बढ़ने और विकसित होने के लिए एक पोषण वातावरण प्रदान किया जाए। बाल अधिकारों में मौलिक स्वतंत्रता और अधिकारों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसकी गारंटी हर बच्चे को दी जानी चाहिए, चाहे उनकी जाति, धर्म या आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। साथ ही, सकारात्मक पालन-पोषण यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि इन अधिकारों को बरकरार रखा जाए और बच्चों को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहायता दी जाए। बाल अधिकार संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार कन्वेंशन (यूएनसीआरसी) में निहित हैं, जो उन मौलिक अधिकारों की रूपरेखा तैयार करता है जिनके सभी बच्चे हकदार हैं। इन अधिकारों में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षा, और अपनी राय व्यक्त करने और उन मामलों में अपनी बात रखने का अधिकार शामिल है जो उन्हें प्रभावित करते हैं। यह सुनिश्चित करना माता-पिता, देखभाल करने वालों और समग्र रूप से समाज की जिम्मेदारी है कि इन अधिकारों का सम्मान और बरकरार रखा जाए।

सकारात्मक पालन-पोषण बच्चों के पालन-पोषण का एक दृष्टिकोण है जो आपसी सम्मान, खुले संचार और अहिंसक अनुशासन के उपयोग पर जोर देता है। यह इस समझ पर आधारित है कि बच्चे अपने स्वयं के विचारों, भावनाओं और अधिकारों वाले व्यक्ति हैं, और उनके साथ सम्मान और करुणा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। सकारात्मक पालन-पोषण माता-पिता को एक सहायक और पालन-पोषण वाला वातावरण बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है जिसमें बच्चे आगे बढ़ सकें, और उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करें। सकारात्मक पालन-पोषण के प्रमुख सिद्धांतों में से एक बच्चों को उनके स्वयं के विकास में सक्रिय भागीदार के रूप में पहचानना है। इसका मतलब है कि बच्चों को उन निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल करना जो उन्हें प्रभावित करती हैं, उनके दृष्टिकोण को सुनना और उनकी स्वायत्तता का सम्मान करना। बच्चों को अपने पालन-पोषण में आवाज उठाने और भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाकर, सकारात्मक पालन-पोषण उनके आत्म-मूल्य और एजेंसी की भावना को बढ़ावा देने में मदद करता है। सकारात्मक पालन-पोषण अहिंसक अनुशासन विधियों के उपयोग को भी बढ़ावा देता है, जैसे सकारात्मक सुदृढीकरण, स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करना और तार्किक परिणामों का उपयोग करना। अनुशासन के दंडात्मक और कठोर रूपों से बचकर, माता-पिता माता-पिता-बच्चे के रिश्ते में विश्वास और समझ का माहौल बना सकते हैं। यह न केवल बच्चों की भावनात्मक भलाई में योगदान देता है बल्कि उनमें दूसरों के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी और सहानुभूति की भावना पैदा करने में भी मदद करता है। व्यक्तिगत बच्चों की भलाई को बढ़ावा देने के अलावा, सकारात्मक पालन-पोषण के व्यापक सामाजिक निहितार्थ भी हैं। शोध से पता चला है कि जिन बच्चों का पालन-पोषण सकारात्मक और सहायक माहौल में होता है, उनके आत्मविश्वासी, लचीले और सामाजिक रूप से जिम्मेदार वयस्कों के रूप में विकसित होने की संभावना अधिक होती है। सहानुभूति, सम्मान और सहयोग के मूल्यों को स्थापित करके, सकारात्मक पालन-पोषण एक अधिक सामंजस्यपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण में योगदान दे सकता है। हालाँकि, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि सकारात्मक पालन-पोषण हमेशा आसान नहीं होता है, खासकर आर्थिक कठिनाई, पारिवारिक तनाव या सामाजिक असमानताओं जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते समय। ऐसी स्थितियों में, माता-पिता को अपने बच्चों को पालन-पोषण का माहौल प्रदान करने के लिए अतिरिक्त सहायता और संसाधनों की आवश्यकता हो सकती है।

यह सुनिश्चित करना सरकारों और समुदायों की जिम्मेदारी है कि माता-पिता के पास किफायती बाल देखभाल, अभिभावक शिक्षा कार्यक्रम और सामाजिक सेवाओं सहित आवश्य सहायता प्रणालियों तक पहुंच हो।

कागजों तक सीमित रह गई इंदौर की क्लस्टर योजना

MSME सेक्टर के क्लस्टर्स; 10 में से 7 का काम शुरू नहीं, 3 विवादों में

सरकार ने 1 लाख युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए प्रदेश में 64 क्लस्टर विकसित करने की योजना बनाई है। इसमें 42 क्लस्टर सरकार और निजी स्तर पर तैयार किए जाने हैं, जबकि 22 केंद्र की योजना के तहत। जिले में भी 11 सरकारी और 18 निजी क्लस्टर बनाने पर सहमति बनी थी। इसमें निजी तो विकसित हो गए, 10 सरकारी क्लस्टर जमीन नहीं मिलने, विभागों के बीच विवादों से उलझ गए। 10 में से 7 पर तो काम ही शुरू नहीं हुआ। यह क्लस्टर विकसित हो जाते तो शहर के 20 हजार युवाओं के हाथों को काम मिलता और अर्थव्यवस्था में भी इजाफा होता।

1.22 लाख एमएसएमई इंदौर जिले में 05 लाख लोगों को दे रहे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार 20 हजार रोजगार मिलेंगे यह क्लस्टर बने तो

फार्मा क्लस्टर – महू के समीप कदवाली में प्रस्तावित है। 90 एकड़ जमीन मांगी गई है। 200 छोटी-बड़ी यूनिट के माध्यम से 100 करोड़ निवेश आएगा और 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा।

वर्तमान स्थिति – कागजों तक सीमित रह गया। जमीन भी चिह्नित नहीं हुई। एसपीवी की प्रक्रिया भी ठंडे बस्ते में है।

प्लास्टिक क्लस्टर – इंदौर के समीप धन्नड़ गांव में प्रस्तावित है। प्लास्टिक मटेरियल निर्माण इकाइयां यहां लगाई जाना थीं। 30 एकड़ जमीन मांगी है। 60 यूनिट से 200 करोड़ का निवेश मिलेगा। 2000 से ज्यादा रोजगार मिलेंगे।

वर्तमान स्थिति –योजना कागजों में है।

फूड प्रोसेसिंग क्लस्टर – इंदौर के समीप ही रंगवासा गांव में बनना है। 100 एकड़ जमीन पर बनने वाले इस क्लस्टर में 100 से 150 फूड प्रोसेसिंग इकाइयां लगना हैं। यहां टेस्टिंग लैब और मल्टी स्टोरी मॉडल भी बनना है। 2000 रोजगार मिलेंगे।

वर्तमान स्थिति- जमीन चिह्नित कर हस्तांतरण होना है। प्रक्रिया चल रही।

कन्फेक्शनरी क्लस्टर –राऊ के पास 50 एकड़ में प्रस्तावित क्लस्टर में 70 इकाइयां लगाई जाएंगी। 100 करोड़ का निवेश और 3000 रोजगार मिलेंगे।

वर्तमान स्थिति – जमीन मिल गई। विकास कार्य अधूरे, कुछ यूनिट ने ही काम शुरू किया है।

टॉय क्लस्टर- रंगवासा के समीप 10 एकड़ जमीन पर प्लान है। इसमें 20 से 25 यूनिट लगना है। 70 करोड़ का निवेश मिलेगा। 3400 लोगों को रोजगार।

वर्तमान स्थिति –एसपीवी बन गई। जमीन पर विवाद कोर्ट में विचाराधीन। कुछ पुरानी यूनिट को जगह नहीं मिली।

फर्नीचर क्लस्टर-धार रोड पर बेटमाखुर्द के पास 190 हेक्टेयर जमीन पर प्रस्तावित। 200 यूनिट लगेंगी। 600 करोड़ का निवेश आएगा। 10000 से ज्यादा रोजगार मिलेंगे।

वर्तमान स्थिति – जमीन में वन विभाग का हिस्सा होने से मामला उलझ गया। अब निवेशकों की रुचि नहीं है।

मल्टी प्रोडक्ट क्लस्टर –यह मालीखेड़ी और पीथमपुर के समीप खंडवा गांव में प्रस्तावित है। 50 एकड़ जमीन पर बनेंगे।

वर्तमान स्थिति – खंडवा क्लस्टर के लिए जमीन मिल गई है। एसपीवी बनाने की तैयारी है। मालीखेड़ी क्लस्टर का प्रस्ताव कैबिनेट में रखा जाना तय किया गया है।

ई व्हीकल व बैटरी क्लस्टर – ऑटो शो के दौरान 100 एकड़ में ऑटोमोबाइल क्लस्टर 1 बनाने की घोषणा हुई है। इसे बेटमा में बनाएंगे। इसमें ई व्हीकल और इनके पार्ट व बैटरी निर्माण भी होगा।

वर्तमान स्थिति –इसके लिए भी जमीन की कवायद चल रही है।

इंदौर में जाम गेट के पास धंसा पहाड़, लंबा जाम

महू-मंडलेश्वर रोड बंद; जेसीबी से हटाया जा रहा मलबा

इंदौर के पास टूरिस्ट स्पॉट जाम गेट के नीचे मुख्य रोड पर बागदरा में चट्टान धंस गई। महू-मंडलेश्वर रोड बंद हो गया। सैकड़ों गाड़ियां दोनों ओर फंस गई। चट्टानें हटाने के लिए जेसीबी लाई गई है। घटना सोमवार सुबह करीब 9 बजे की है। प्रशासन ने लोगों से मंडलेश्वर, महेश्वर, खरगोन जाने के लिए फिलहाल इस रोड का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है।

महू के बडगोंदा थाना क्षेत्र के आशापुरा गांव में बैरिकेडिंग कर घाट तरफ एंट्री रोक दी गई है। शाम तक ट्रैफिक सुचारू होने की उम्मीद है।चश्मदीदों ने बताया कि जब चट्टानें गिरीं तो वहां से गुजर रहे लोगों ने जैसे-तैसे भागकर जान बचाई।

घटना महू से 31 किलोमीटर और जाम गेट से एक किलोमीटर दूर बागदरा की है। मंडलेश्वर और बडगोंदा पुलिस के जवान ट्रैफिक बहाल करने की कोशिश में लगे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)